सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 289 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 30 नवम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

लम्बे समय तक नाराज रहने के लिए जिन्दगी बहुत छोटी है।
-इलोन मस्क

रोहन-अश्विनी की जोड़ी ने लगाए... 7 | तेलंगाना चुनाव: ओवैसी बंधुओं पर... 3 | बीजेपी मुझे कहती है जातिवादी... 2

तेलंगाना में छिटपुट घटनाओं के बीच जमकर मतदान

राज्य में 35,655 मतदान केंद्रों पर हो रही वोटिंग

- कांग्रेस व बीआरएस में टक्कर, भाजपा व एआईएमआईएम भी मैदान में
- सभी दलों ने किए जीत के दावे, दिग्गज नेताओं समेत फिल्मी हस्तियों ने डाले वोट
- 106 निर्वाचन क्षेत्रों में शाम 5 बजे व 13 वामपंथी उग्रवाद प्रभावित सीटों पर शाम 4 बजे समाप्त होगी चुनावी प्रक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। छिटपुट घटनाओं के बीच तेलंगाना में मतदान शुरू हो गया सुबह धीरे-धीरे शुरू हुई वोटिंग शाम आते-आते तेज हो गई। राज्य के सभी दिग्गज नेताओं समेत फिल्मी हस्तियों ने वोट डाले। कुछ जगहों भाजपा, कांग्रेस व बीआरएस के कार्यकर्ताओं के बीच तीखी झड़पें भी हुईं। तेलंगाना में एक चरण के विधानसभा चुनाव के लिए मतदान गुरुवार सुबह 7 बजे शुरू हुआ। तेलंगाना में दोपहर 1 बजे तक 40 प्रतिशत से अधिक मतदान हो चुका था। अधिकारियों के मुताबिक, राज्य में 35,655 मतदान केंद्रों पर मतदान चल रहा है। कुल 106 निर्वाचन क्षेत्रों में शाम 5 बजे तक मतदान होगा, जबकि 13 वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित सीटों पर प्रक्रिया शाम 4 बजे समाप्त होगी। राज्य के 3.26 करोड़ मतदाता इनकी किस्मत का फैसला करेंगे। मतगणना 3 दिसंबर को होगी।

आगामी चुनावों के लिए 2,290 प्रतियोगी मैदान में हैं, जिनमें मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव, उनके मंत्री-पुत्र केटी रामा राव, राज्य कांग्रेस अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी और भाजपा के लोकसभा सदस्य बंदी संजय कुमार और डी अरविंद शामिल हैं। बीआरएस ने सभी 119 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। सीट-बंटवारे के समझौते के अनुसार, भाजपा और अभिनेता पवन कल्याण के नेतृत्व वाली जन सेना क्रमश: 111 और 8 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं। कांग्रेस ने अपनी सहयोगी पार्टी सीपीआई को एक सीट दी है और 118 अन्य सीटों पर लड़ रही है। असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने शहर के नौ क्षेत्रों में उम्मीदवार खड़े किए हैं। हरियाणा के राज्यपाल बंदारू दत्तात्रेय ने हैदराबाद में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वोट देने के बाद राज्यपाल ने कहा कि मैं 1983 के बाद से हमेशा मतदान किया है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान करना बेहद जरूरी है। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने हैदराबाद में वोट डाला। हैदराबाद में मशहूर अभिनेता और निर्माता नागार्जुन और उनकी पत्नी अमला अक्किनेनी ने जुबली हिल्स में सरकारी वर्किंग वुमन छात्रावास पोलिंग बूथ पर मतदान किया। नागार्जुन के बेटे और फिल्म अभिनेता नागा चैतन्य ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

चुनाव के दौरान पैसा पड़ोसी राज्य से आया था : ओवैसी

तेलंगाना चुनाव के दौरान चुनाव आयोग द्वारा भारी मात्रा में जब्ती पर एआईएमआईएम असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि जहां तक मुझे पता है, पैसा पड़ोसी राज्य से आया था। इसे जब्त कर लिया गया है। यह हम सभी के लिए एक बड़ी चुनौती है।

कांग्रेस ने के. कविता पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का लगाया आरोप

तेलंगाना कांग्रेस नेता जी निरंजन ने गुरुवार को बीआरएस एमएलसी के कविता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। जिसमें उन पर मतदान के दिन वोट मांगकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया। तेलंगाना कांग्रेस नेता जी निरंजन ने गुरुवार को बीआरएस एमएलसी के कविता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। जिसमें उन पर मतदान के दिन वोट मांगकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया। कांग्रेस नेता ने एक संदेश में आरोप लगाया कविता ने लोगों से बीआरएस के लिए वोट करने की अपील करके चुनाव संहिता का उल्लंघन किया है। आज बंजारा

हिल्स के डीएवी स्कूल में मतदान केंद्र पर अपना वोट डालने के बाद मीडिया से बात करते हुए कविता ने बीआरएस के लिए वोट करने की अपील की, जो कि उल्लंघन है।

प्रदेश में दुराला सरकार जाएगी और प्रजला सरकार आएगी: रेवंत

वोट डालने से पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी और उनकी पत्नी गीता ने कोडंगल के विकाराबाद में अपने आवास पर गौ पूजन किया। इसके बाद पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में अच्छे दिन आने वाले हैं। दुराला सरकार जाएगी और प्रजला सरकार आएगी। रेड्डी ने कहा कि क्रिकेट टीम चुनने की तरह ही सीएम चुनने की भी एक प्रक्रिया होती है। 85 विधायक हैं, हर कोई सीएम पद के लिए सक्षम है।

कामारेड्डी में 45 मिनट तक रुकी वोटिंग

तेलंगाना की कामारेड्डी विधानसभा सीट पर ईवीएम की खराबी के चलते करीब 45 मिनट तक वोटिंग रुकने की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बूथ नंबर 253 पर ईवीएम में खराबी आई। हालांकि 45 मिनट बाद वोटिंग फिर से शुरू हो गई।

कोंडल रेड्डी पर बीआरएस कार्यकर्ताओं ने लगाए गुंडागर्दी के आरोप

तेलंगाना में सुबह 11 बजे तक 20.64 प्रतिशत मतदान हुआ है। वहीं तेलंगाना कांग्रेस के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी के भाई कोंडल रेड्डी का आरोप है कि जब वह एक बूथ गए थे तो बीआरएस कार्यकर्ताओं ने मुझे रोकने की कोशिश की। मुझ पर हमले की कोशिश की गई। बीआरएस कार्यकर्ताओं की गाड़ियां मेरी कार का पीछा कर रही हैं और मुझे रोकने का प्रयास किया जा रहा है। हमने पुलिस से इसकी शिकायत की है। वहीं बीआरएस कार्यकर्ताओं का कहना है कि कोंडल रेड्डी कामारेड्डी के पोलिंग बूथ का दौरा कर रहे हैं जबकि वह यहां के मतदाता भी नहीं हैं। कोंडल रेड्डी फर्जी पास लेकर घूम रहे हैं और रिटर्निंग अफसर से बातचीत कर रहे हैं। पुलिस भी उन्हें नहीं रोक रही है। वह गुंडागर्दी कर रहे हैं। हमें पता चला है कि उनके साथ के लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है लेकिन हिरासत में लेने के 10 मिनट बाद ही उन्हें छोड़ दिया गया। हम चुनाव आयोग से इसकी शिकायत करेंगे।

यूपी की स्वास्थ्य व्यवस्था बर्बाद

» अखिलेश बोले- बीजेपी के दलाल प्राइवेट अस्पतालों में भेज रहे मरीज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार को जमकर घेरा है। उन्होंने कहा कि ये सरकार जान-बूझकर सरकारी व्यवस्थाओं को इसलिए खत्म कर रही है, ताकि लोग ज्यादा से ज्यादा निजी अस्पतालों में इलाज करवाएं। सरकार की जो जिम्मेदारी है कि गरीब को सरकारी अस्पतालों में इलाज मिल जाए, वो जिम्मेदारी सरकार नहीं निभा रही है। इनकी(भाजपा) सरकार में हर अस्पताल में दलाल बैठे हुए हैं जो प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों को ले जाते हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों को दवाएं नहीं मिल रही हैं। अब सुनने में तो ये आ रहा है कि ये लोग सरकारी मेडिकल कॉलेजों को प्राइवेट हाथों में सौंपने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार जान-बूझकर सरकारी अस्पतालों को बर्बाद कर रही है। अभी पीजीआई में भाजपा का पूर्व सांसद अपने बेटे को लेकर आया था, उसे इलाज नहीं मिल सका और उसकी मौत हो गई। नेता प्रतिपक्ष जब बोलने के लिए खड़े हुए तो उनकी टेबल पर लगा माइक बंद हो गया। अखिलेश यादव ने कहा कि यह भी आवाज दबाने का एक तरीका है।

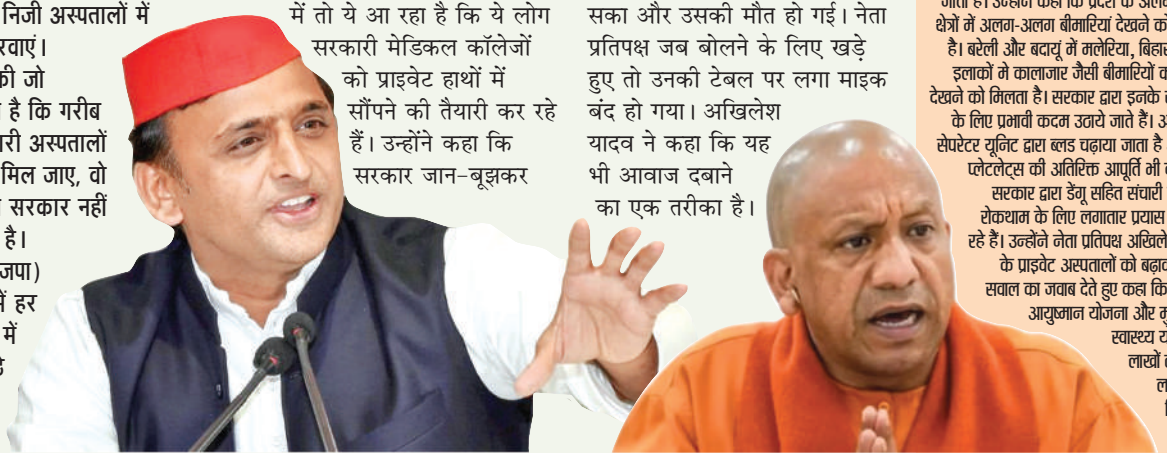

चार दिन के सत्र में अनुपूरक बजट का कोई औचित्य नहीं

विधान भवन में पत्रकारों से रूबरू अखिलेश यादव ने कहा कि यह अजीब बात है कि समाजवादी पार्टी सन् 2017 से सरकार से बाहर है। जवाब इनको देना चाहिए पर आज भी यह सवाल समाजवादी पार्टी से कर रहे हैं। नेता विरोधी दल अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार में सिर्फ चार दिन के सत्र और विधानसभा में अनुपूरक बजट पेश करने की आलोचना करते हुए कहा कि यह सरकार जनता के सवाल उठाने पर रोक लगाना चाहती है। विपक्ष के सवालों से बचना चाहती है। उन्होंने कहा कि जब सरकार पिछले बजट की धनराशि ही खर्च नहीं कर पा रही है तो फिर अनुपूरक बजट लाने की क्या जरूरत थी।

डेंगू की रोकथाम के लिए हो रहे प्रभावी उपाय : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी विधानसभा में प्रदेश में डेंगू की रोकथाम को लेकर किए जा रहे उपायों पर कहा कि सरकार डेंगू सहित अन्य संक्रमित बीमारियों की रोकथाम के लिए सभी जरूरी इंतजाम कर रही है। सरकार द्वारा अंतर्विभागीय समन्वय के माध्यम से संचारी रोगों की रोकथाम के लिए काम किए जा रहे हैं। जलजनित या विषाणु जनित रोगों के निवारण के लिए प्रतिवर्ष तीन माह डोर टू डोर अभियान चलाया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग बीमारियां देखने को मिलती है। बरेली और बदायूं में मलेरिया, बिहार से लगे इलाकों मे कालाजार जैसी बीमारियों का प्रकोप देखने को मिलता है। सरकार द्वारा इनके रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाये जाते हैं। आज ब्लड सेपरेटर यूनिट द्वारा ब्लड चढ़ाया जाता है और हम प्लेटलेट्स की अतिरिक्त आपूर्ति भी करते हैं। सरकार द्वारा डेंगू सहित संचारी रोगों की रोकथाम के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव के प्राइवेट अस्पतालों को बढ़ावा देने के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि प्रदेश में आयुष्मान योजना और मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना से लाखों लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

शिवकुमार आय से अधिक संपत्ति मामले में वापस लेंगे मुकदमा

बंगलूरू। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को आय से अधिक संपत्ति मामले में हाईकोर्ट से राहत मिली है। अदालत ने शिवकुमार को हाईकोर्ट के एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती देने वाली अपील वापस लेने की अनुमति दे दी। शिवकुमार ने सीबीआई को दी गई सरकारी मंजूरी को रद्द करने से इनकार करने वाले आदेश को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने बुधवार को शिवकुमार को राहत देने वाला आदेश पारित किया। बता दें कि भाजपा की सरकार के दौरान सीएम येदियुरप्पा ने कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार के खिलाफ सीबीआई केस दर्ज करने को मंजूरी दे दी थी। इसके बाद डीके शिवकुमार के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की थी। आय से अधिक संपत्ति के कथित आरोप में सीबीआई जांच से राहत पाने के लिए शिवकुमार ने अदालत का दरवाजा खटखटाया था। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कर्नाटक हाईकोर्ट की पीठ के समक्ष शिवकुमार की पैरवी की। वीडियो कॉन्फ्रेंस से हुई सुनवाई के दौरान सिंघवी ने कहा, जिस सीबीआई जांच की मंजूरी को चुनौती दी गई है, उसे सरकार ने वापस ले लिया है, ऐसे में यह केस बेमानी हो चुका है। उन्होंने अदालत से मुकदमे को वापस लेने की अनुमति मांगी। जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें अपील वापस लेने की अनुमति दे दी।

अखिलेश और ओवैसी के विवादित बयान मामले पर सुनवाई 2 दिसंबर को

वाराणसी। ज्ञानवापी परिसर में मिली शिवलिंगनुमा आकृति के पास बने वजूस्थल पर गंदगी फैलाने और भड़काऊ बयानबाजी के मामले में सपा प्रमुख अखिलेश यादव और सांसद असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ दाखिल निगरानी याचिका पर सुनवाई टल गई है। अदालत ने अंतिम अवसर देते हुए ने 2 दिसंबर की तारीख नियत की है। क्या है मामला? हरिशंकर पांडेय ने कोर्ट में अधिवक्ता आरपी शुक्ल,अजय प्रताप सिंह, घनश्याम मिश्र के जरिये कोर्ट में प्रार्थनापत्र देकर आरोप लगाया था कि ज्ञानवापी परिसर में नमाजियों की ओर से वजूखाने में हाथ-पैर धोए जाते हैं और गंदगी फैलाई जाती है। जबकि वह स्थान हमारे अराध्य भगवान शिव का स्थान है। यह हिंदू समाज के लिए अपमानजनक है। इसके साथ ही सर्वे में मिले शिवलिंग को लेकर एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव आदि ने ज्ञानवापी प्रकरण पर बयान देकर हिंदुओं की भावनाओं पर कुठाराघात किया है।

रालोद 10 दिसंबर को निकालेगी चौधरी चरण सिंह संदेश रथ यात्रा

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नीरपाल सिंह ने बताया कि खेल प्रकोष्ठ की तरफ से चौधरी चरण सिंह संदेश रथ यात्रा का शुभारम्भ 10 दिसम्बर को होगा। उन्होंने बताया कि यात्रा को लेकर रूट प्लान तैयार कर लिया गया है, जो सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, अमरोहा, बागपत, बिजनौर, मेरठ और गाजियाबाद होते हुए 23 दिसम्बर को दिल्ली किसान घाट पर समाप्त होगी। उन्होने कहा कि यात्रा सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर और मेरठ से दिल्ली जाएगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयन्त सिंह खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए बढ़ चढ़कर काम कर रहे हैं। अपनी निधि से खिलाड़ियों के भविष्य के लिए अपनी निधि का अनुदान भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को मुफ्त बिजली देने का वादा भी खोखला साबित हुआ। चंद पूंजीपतियों को छोड़कर छोटे और बड़े सभी व्यापारी सरकार की गलत नीतियों के कारण परेशान हैं।

मणिपुर के सबसे पुराने विद्रोही गुट यूएनएलएफ से शांति समझौते पर हस्ताक्षर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मणिपुर के सबसे पुराने उग्रवादी समूह यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट ने केंद्र के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अमित शाह ने इस बात की जानकारी अपने ट्विटर एक्स से दी है। उन्होंने जानकारी शेयर करते हुए लिखा कि एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई! पूर्वोत्तर में स्थायी शांति स्थापित करने के मोदी सरकार के अथक प्रयासों ने आज नई दिल्ली में यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) के साथ एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे पूर्ति का एक नया अध्याय जुड़ गया है। उन्होंने आगे लिखा यूएनएलएफ, मणिपुर का सबसे पुराना घाटी-आधारित सशस्त्र समूह हिंसा छोड़ने और मुख्यधारा में शामिल होने के लिए सहमत हो गया है। गृह मंत्री ने कहा, मैं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में उनका स्वागत करता हूं और शांति और प्रगति के पथ पर उनकी यात्रा के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

राज्यपाल सुप्रीम कोर्ट का सम्मान नहीं करते : विजयन

» केरल में लंबित विधेयकों पर गरमाई सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मलप्पुरम (केरल)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने लंबित विधेयकों को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजने के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के फैसले की आलोचना की है। सीएम पिनाराई विजयन ने कहा कि इससे संदेह पैदा होता है कि क्या राज्यपाल सुप्रीम कोर्ट का उचित सम्मान कर रहे हैं या नहीं। केरल के मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की याचिका पर विचार करते हुए पंजाब के एक ऐसे ही मामले पर अपने फैसले का हवाला दिया था।

उन्होंने कहा था कि राज्यपाल बिना किसी कार्रवाई के बिलों को अनिश्चितकाल तक लंबित रखने की स्वतंत्रता नहीं ले सकते। सीएम ने राज्यपाल पर आरोप लगाया कि आरिफ मोहम्मद की प्रतिक्रिया सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों पर उनकी नाराजगी का संकेत देती है।

मुख्य सचिव के सेवा विस्तार को मिली मंजूरी

» दिल्ली की आप सरकार को सुप्रीम कोर्ट का झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार को मुख्य सचिव नरेश कुमार के सेवा विस्तार मामले में सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने उनके सेवा विस्तार को मंजूरी दे दी है। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की बेंच ने फैसला सुनाते हुए केंद्र सरकार की ओर से मुख्य सचिव नरेश कुमार को दिए गए 6 महीने के सेवा विस्तार को हरी झंडी दे दी गई है।

दिल्ली की आप सरकार ने नरेश कुमार के सेवा विस्तार का विरोध किया था। बता दें, नरेश कुमार गुरुवार (30 नवंबर 2023) को रिटायर होने वाले हैं। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मुख्य सचिव को 6 महीने का सेवा विस्तार कानून का उल्लंघन नहीं कहा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि केंद्र के पास दिल्ली में मुख्य सचिव नियुक्त करने का अधिकार है और केंद्र सरकार मुख्य सचिव को 6 महीने का सेवा विस्तार दे सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की दलील मानी कि नए कानून के मुताबिक, अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार केंद्र को है और इस कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक नहीं लगाई है।

दिल्ली सरकार ने उठाए थे सवाल

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने बिना किसी परामर्श के नए मुख्य सचिव की नियुक्ति या मौजूदा शीर्ष सिविल सेवक नरेश कुमार का कार्यकाल बढ़ाने के केंद्र के किसी भी कदम के खिलाफ दिल्ली सरकार की याचिका पर अपना फैसला सुनाया है। दिल्ली सरकार ने सवाल उठाया है कि केंद्र बिना किसी परामर्श के मुख्य सचिव की नियुक्ति कैसे कर सकता है, जबकि नये कानून को चुनौती दी गयी है।

बीजेपी मुझे कहती है जातिवादी : तेजस्वी यादव

» राजद नेता ने बताया पत्नी का धर्म, बीजेपी का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में जातिगत सर्वे के बाद आरक्षण का दायरा 75 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया। नीतीश सरकार के इन दो बड़े फैसलों ने बिहार का सियासी पारा हाई कर दिया। विपक्ष ने एक तरफ जहां आरक्षण का समर्थन किया तो दूसरी तरफ नीतीश सरकार को जातिवादी कहा। हालांकि, अब तेजस्वी यादव ने इन आरोपों पर जवाब दिया है। उन्होंने आरोपों पर बात करते हुए अपनी बीवी की जाति और धर्म का भी जिक्र कर दिया।

बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने एक जनसभा को संबोधित करत हुए कहा, ये लोग मुझे जातिवादी कहते हैं। अगर ऐसा होता तो हम ईसाई धर्म में क्यों शादी करते। उन्होंने कहा कि उनकी बीवी ईसाई धर्म की है, लेकिन यह लोग सिर्फ राजनीति के लिए हमें जातिवादी कह रहे हैं। तेजस्वी यादव ने फिर अमित शाह का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि रिजर्वेशन लागू हुआ तो अमित शाह आए और उन्होंने कहा कि यादव और मुसलमानों का कोटा बढ़ा दिया गया है। ये सिर्फ झूठ बोल सकते हैं। उन्होंने कहा कि इनका काम झूठ बोलना है और हम लोगों का काम आपके लिए काम करना है। तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर हमें आरक्षण का कोटा बढ़ाना होता तो माननीय मुख्यमंत्री कुर्मी समाज से आते हैं, तो हम कुर्मी जाति का नहीं बढ़ाते। वो आखिर किस आधार पर बोल रहे हैं। आपके पास आंकड़ा कहां है। ये बिहार ही है जहां पहली बार जातिगत सर्वे हुआ है। देश में और कहीं हुआ ही नहीं है। ऐसे में आप किस आंकड़े के आधार पर बोल रहे हैं।

पांच राज्यों में इंडिया गठबंधन जीत रहा : लालू

हाल में ही पांच राज्य (राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम) में विधानसभा चुनाव संपन्न हुए। 3 दिसंबर को चुनाव के नतीजे भी घोषित हो जाएंगे। लेकिन, इनसे पहले राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने बड़ी भविष्यवाणी कर दी है। लालू प्रसाद ने कहा कि पांच राज्यों में हम (आईएनडीआईए) जीत रहे हैं। इंडिया गठबंधन की बंपर जीत होगी और सभी राज्यों में हमारी जीत पक्की है। अब नरेंद्र मोदी का खेल खत्म है।मीडिया ने जब सवाल किया कि भाजपा कह रही है कि सीएम नीतीश कुमार का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है? इस पर प्रतिक्रिया देते हुए लालू प्रसाद ने कहा कि नीतीश कुमार का कोई मुकाबला है क्या? नीतीश कुमार का कोई मुकाबला नहीं है। ये भाजपा वाले फालतू बात करते रहते हैं।

रेचल का नाम राजश्री क्यों रखा : बीजेपी

बीजेपी नेता रामसागर सिंह ने तेजस्वी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तेजस्वी के दिमाग में बचपन से ही जातिवाद का जहर घोला गया है। अगर आप जातिवादी नहीं होते तो रेचल का नाम आपने राजश्री यादव क्यों रख दिया। आपने अपनी बीवी का नाम इसलिए बदला क्योंकि आपकी मानसिकता जातिवादी है।

तेलंगाना चुनाव : ओवैसी बंधुओं पर सियासी नजर

हैदराबाद के मजबूत किले को क्या बचा पाएंगे ओवैसी बंधु

» बीआरएस का मूक समर्थन कांग्रेस का दावा मजबूत बीजेपी दे रही टक्कर

» हैदराबाद में चलता है दम का समीकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। एक सर्वे के मुताबिक हैदराबाद के 63 प्रतिशत मुस भाग्यनगर के गूंजते नारे और सड़कों पर पड़े पतंग और पंजे के बेहिसाब पट्टों ने हैदराबाद के चुनाव को रोचक बना दिया है। हिंदुत्व के रथ पर सवार भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) हैदराबाद पर अधिक फोकस कर रही है, वही हैदराबाद,जो पिछले 50 सालों से ओवैसी परिवार का गढ़ बना हुआ है। हैदराबाद के इस गढ़ को बचाने के लिए ओवैसी बंधु भी मजबूती से मैदान में डटे हुए हैं, हालांकि, मुकाबला चतुष्कोणीय होने की वजह से एआईएमआईएम के लिए राह आसान नहीं है, हैदराबाद में विधानसभा की कुल 8 सीटें हैं। 2018 के चुनाव में ओवैसी की पार्टी ने इनमें से 7 सीटों पर जीत हासिल की थी।

एक सीट पर बीजेपी के टी राजा सिंह को जीत मिली थी। टी राजा सिंह विवादित बयानों की वजह से सुर्खियों में रहते है। कांग्रेस ने भी इस बार हैदराबाद फतह के लिए पूरी ताकत झोंक दी है, चुनाव प्रचार के आखिरी दिन प्रियंका गांधी हैदराबाद के गलियों की खाक छानती नजर आएंगी। हर शहर की तरह हैदराबाद का भी अपना इतिहास है, लेकिन यह वर्तमान में विवादित है. संघ से जुड़े इतिहासकार लंबे वक्त से इसे भाग्यनगर बता रहे हैं. उनका तर्क शहर में भाग्यलक्ष्मी मंदिर होने से जुड़ा है।

हालांकि, कुछ इतिहासकारों का दावा इससे अलग है. इन इतिहासकारों के मुताबिक सुल्तान मुहम्मद कुली कुतुब शाह ने अपनी प्रेमिका के नाम पर इस शहर को बसाया है. कुली कुतुब शाह की प्रेमिका का नाम भाग्यमती था, जो बाद में हैदर महल बनीं। आजादी के वक्त हैदराबाद की सत्ता निजामों के हाथ में थी. जब विलय की बात आई, तो निजामों ने ना-नुकुर कर दिया, लेकिन सेना के ऑपरेशन और बढ़ते दबाव ने निजाम को संधि पत्र पर हस्ताक्षर करने को मजबूर कर दिया। हैदराबाद भारत का हिस्सा तो बन गया, लेकिन इसकी सियासत निजाम के इर्द-गिर्द ही घूमती रही. आजादी से पहले निजाम का खुलकर समर्थन करने वाली एआईएमआईएम पिछले 60 सालों से यहां की सत्ता केंद्र बना हुआ है. । हैदराबाद में विधानसभा की कुल 8 सीटें हैं, जिनमें मालकपेट, कारवां, गोशामहल, चारमीनार, चंद्रयानगुट्टा, यकुतपुरा और बहादुरपुरा सीट शामिल हैं. गोशामहल को छोड़कर सभी सीटों पर ओवैसी की पार्टी का वर्तमान में कब्जा है। असदुद्दीन और अकबरुद्दीन ओवैसी को सियासत विरासत में मिली है। असदुद्दीन के पिता सुल्तान सलाहुद्दीन हैदराबाद के सांसद रह चुके हैं। असदुद्दीन के दादा अब्दुल वाहिद ओवैसी एआईएमआईएम के संस्थापक सदस्य थे। 1986 में पहली बार सलाहुद्दीन ओवैसी ने हैदराबाद नगर निकाय के चुनाव में दलित मेयर उम्मीदवार उतार कर सबको चौंका दिया। दलित और मुस्लिम समीकरण (दम) होने की वजह से उनके उम्मीदवार जीत भी गए। हैदराबाद के इतिहास में पहली बार कोई दलित मेयर बना था। सलाहुद्दीन की इस रणनीति को उनके दोनों बेटों ने भी आगे बढ़ाया, दलित, मुस्लिम और पिछड़े समीकरण के सहारे ओवैसी बंधु हैदराबाद सियासत के सुल्तान बने हुए हैं। हैदराबाद में 43.45 प्रतिशत मुस्लमान हैं, जबकि दलितों की संख्या यहां करीब 7 प्रतिशत है।

हैदराबाद में फिर कायम होंगे ओवैसी?

119 सीटों वाली तेलंगाना विधानसभा के चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने सिर्फ 9 सीटों पर प्रत्याशी खड़े किए हैं, इनमें से 7 सीटें हैदराबाद की है, ऐसे में जानकारों का मानना है कि एआईएमआईएम का सियासी भविष्य हैदराबाद के ही 7 सीटों के परफॉर्मेंस पर टिका हुआ है, 2018 के चुनाव में ओवैसी के सभी 7 उम्मीदवार 60 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से जीतकर सदन पहुंचे थे, ऐसे में एआईएमआईएम के नेता इस बार भी सभी सीटों पर जीत को लेकर आश्वस्त हैं। खुद अकबरुद्दीन ओवैसी सभी सीटों पर जीत का दावा कर रहे हैं, हाल ही में एक रैली में उन्होंने कहा था कि हम सभी 9 सीट जीत रहे हैं और राज्य की सत्ता में बीआरएस फिर से आ रही है। जानकारों का कहना है कि ओवैसी को हैदराबाद की सीटों पर अपने कोर वोटर्स के साथ-साथ बीआरएस के भी वोटबैंक ट्रांसफर होने की उम्मीद है।

ओवैसी परिवार के लिए इस बार राह मुश्किल?

2018 में मालकपेट, बहादुरपुरा समेत 4 सीटों पर कांग्रेस मैदान में नहीं थी, लेकिन इस बार पार्टी ने इन सीटों पर युवा चेहरे को उतार रखा है,2018 के मुकाबले बीजेपी भी यहां मजबूत हुई है। 2020 के नगर निगम चुनाव में बीजेपी के 48 पार्षद यहां से जीते थे, जो एक रिकॉर्ड है, वर्तमान में हैदराबाद नगर निगम में बीजेपी दूसरे नंबर की पार्टी है, पार्टी को निकाय चुनाव की तरह ही विधानसभा चुनाव में भी बेहतरीन परफॉर्मेंस की उम्मीद है।

1957 में एमआईएम बना एआईएमआईएम

1957 में उन्होंने मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम) को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) में बदला। वाहिद को एमआईएम संगठन कमर रजवी से मिला था, जो विभाजन के वक्त पाकिस्तान चले गए थे। एआईएमआईएम को पहली बड़ी सफलता 1984 के लोकसभा चुनाव में मिली। इस चुनाव में निर्दलीय लड़े सुल्तान सलाहुद्दीन ओवैसी ने टीडीपी के प्रभाकर रेड्डी को करीब 3500 वोटों से हरा दिया। इसके बाद ओवैसी परिवार को यहां से कभी हार का सामना नहीं करना पड़ा। लोकसभा चुनाव जीतने के बाद ओवैसी परिवार हैदराबाद को अपना गढ़ बनाना शुरू कर दिया। इसके लिए विकास के साथ-साथ जातीय राजनीति को भी साधा गया।

हैदराबाद में बीजेपी के भीतर जान फूंकने के लिए खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रोड-शो कर चुके हैं। सयासी गलियारों में इस बात की चर्चा है कि सत्तारूढ़ बीआरएस ने एक अघोषित समझौते के तहत एआईएमआईएम के उम्मीदवारों के सामने कमजोर उम्मीदवार उतारे हैं, बदले में राज्य के मुसलमानों से ओवैसी बीआरएस को वोट देने की अपील कर रहे हैं। गरीबी, स्वच्छता और सत्ताविरोधी लहर भी ओवैसी की पार्टी की राह में रोड़े से कम नहीं है। एनजीओ हेल्पिंग हैंड के एक सर्वे के मुताबिक हैदराबाद के 63 प्रतिशत मुसलमान गरीब रेखा के नीचे हैं, जो सरकारी खैरात, अल्प दैनिक कमाई और दान के भरोसे अपना जीवनयापन कर रहे हैं। हैदराबाद के 15 प्रतिशत मुसलमान निम्न मध्यमवर्गीय हैं, जिनकी सलाना कमाई 2 लाख के आसपास है।

कांग्रेस बढ़ा रही टेंशन

हालांकि, आखिरी समय में कांग्रेस की हैदराबाद के अलग-अलग समूहों को साधने की रणनीति ओवैसी की पार्टी के लिए टेंशन बढ़ाने वाली है. पहले छात्रों से मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने मंगलवार को राजधानी के ग्रीग वर्करों से मुलाकात की। तेलंगाना में 4.4 लाख ग्रीग वर्कर हैं, जिसमें से अधिकांश हैदराबाद और उसके आसपास काम करते हैं. ऐसे में युवा और ग्रीग वर्कर्स अगर जाति और धर्म के आधार पर वोट नहीं करते हैं, तो हैदराबाद में ओवैसी की पार्टी को नुकसान हो सकता है। कांग्रेस की कमान यहां प्रियंका गांधी ने संभाल रखी है, हालांकि, असदुद्दीन ओवैसी के लिए राहत की बात यहां बीआरएस का वॉकओवर देना है।

दक्षिण में बीजेपी ने उठाया नाम बदलने का मुद्दा

» हैदराबाद का नाम बदलने पर फिर हुई चर्चा

» योगी बोले-सत्ता बदलने के 30 मिनट में होगा भाग्यनगर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। चुनावी दौर में हैदराबाद का नाम बदलने का मुद्दा एक बार फिर जोर-शोर से उठने लगा है। तीन दिन पहले जहां असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इस महानगर का नाम बदलने की बात कही थी, वहीं शनिवार को फिर एक कद्दावर नेता ने कुछ वैसा ही संकल्प दोहराया है। एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के 30 मिनट के भीतर यह अपने पुराने नाम भाग्यनगर के नाम से जाना जाएगा। बता दें कि योगी आदित्यनाथ शनिवार को कुमुराम भीम आसिफाबाद जिले में चुनाव प्रचार में पहुंचे थे।

यहां एक जनसभा के मंच से योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि 3 दिसंबर को हर हाल में यहां की जनता का आदेश भाजपा के पक्ष में आएगा और फिर सरकार बनने के 30 मिनट के भीतर हैदराबाद-हैदराबाद नहीं रह जाएगा। यह फिर से भाग्यनगर के रूप में अपनी पुरानी पहचान पा लेगा। देवी भाग्यलक्ष्मी यहां हैं और हम उनके नाम पर नगर का नाम रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह तेलंगाना के सभी राम भक्तों के लिए हमारी पार्टी का यही उपहार होगा। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब योगी आदित्यनाथ ने हैदराबाद का नाम बदलकर 'भाग्यनगर' करने की मांग उठाई है। 2020 में नगर निकाय चुनाव के दौरान भी भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार करने आए योगी ने कहा था कि हैदराबाद को आदर्श रूप से भाग्यनगर कहा जाना चाहिए। इसका श्रेय उन्होंने यहां स्थित भाग्यलक्ष्मी मंदिर को दिया था। अब शुक्रवार को यही बात असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा भी कह चुके हैं तो एक दिन बाद योगी ने फिर उसे दोहराया। इसके अलावा इस दौरान भाजपा के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'तेलंगाना में अब तुष्टिकरण की राजनीति का गंदा खेल देखा जा सकता है। हमने तेलंगाना में देखा है कि जब बीआरएस सरकार मुस्लिम आरक्षण की घोषणा करती है तो एक सरकार समाज को विभाजित करने के लिए किस हद तक जा सकती है'। तेलंगाना में मुस्लिम आरक्षण अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान का अपमान है। यूपी में शहरों के नाम बदलने को लेकर योगी आदित्यनाथ को अक्सर आलोचना का सामना करना पड़ा। मुख्यमंत्री ने 2018 में फैजाबाद का नाम बदलकर अयोध्या और इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज कर दिया।

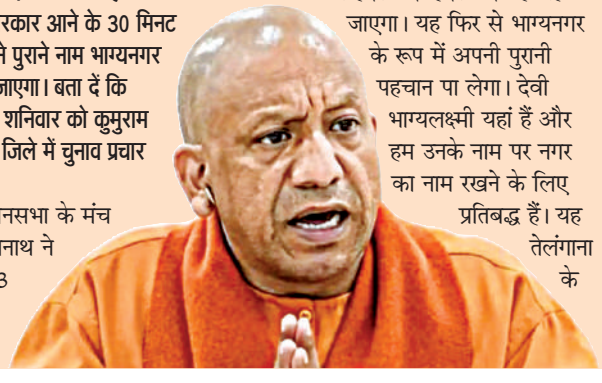

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

लाउडस्पीकर के इस्तेमाल से ध्वनि प्रदूषण नहीं

अदालत ने कहा जैसे मंदिरों के घंटी घड़ियाल से कोई हानि नहीं है वैसे ही अजान भी मानवीय स्वास्थ्य को कोई नुकसान नही पहुंचाता है। दरअसल, गुजरात उच्च न्यायालय ने एक जनहित याचिका (पीआईएल) को खारिज करते हुए कहा कि मस्जिदों में अजान के लिए लाउडस्पीकर के इस्तेमाल से ध्वनि प्रदूषण नहीं होता है। पीआईएल में इसके इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी।

मस्जिदों से लाउडस्पीकर से अजान के मामले में हाईकोर्ट का उम्दा फैसला आया है। कोर्ट से सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अजान ने कोई ध्वनि प्रदूषण नहीं होता। अदालत ने कहा जैसे मंदिरों के घंटी घड़ियाल से कोई हानि नहीं है वैसे ही अजान भी मानवीय स्वास्थ्य को कोई नुकसान नही पहुंचाता है। दरअसल, गुजरात उच्च न्यायालय ने एक जनहित याचिका (पीआईएल) को खारिज करते हुए कहा कि मस्जिदों में अजान के लिए लाउडस्पीकर के इस्तेमाल से ध्वनि प्रदूषण नहीं होता है। पीआईएल में इसके इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी। जनहित याचिका को कोर्ट ने ''पूरी तरह से मिथ्या धारणा'' पर आधारित करार दिया और पूछा कि क्या याचिकाकर्ता यह दावा कर सकता है कि किसी मंदिर में आरती के दौरान घंटियों और घड़ियाल का शोर बाहर नहीं सुनाई देता है।

मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध पी. मायी की खंडपीठ ने इस मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि हम यह समझने में असफल हैं कि सुबह लाउडस्पीकर के माध्यम से अजान देने वाली मानव आवाज ध्वनि प्रदूषण पैदा करने के स्तर (डेसीबल) तक कैसे पहुंच सकती है, जिससे बड़े पैमाने पर जनता के स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है। अदालत ने कहा, हम इस तरह की जनहित याचिका पर विचार नहीं कर रहे हैं। अदालत ने बताया कि अजान दिन के अलग-अलग घंटों में एक बार में अधिकतम दस मिनट के लिए की जाती है। इसने याचिकाकर्ता के वकील से पूछा, ''आपके मंदिर में, ढोल और संगीत के साथ सुबह की आरती भी सुबह तीन बजे शुरू होती है। क्या आप कह सकते हैं कि घंटे और घड़ियाल का शोर केवल मंदिर परिसर में ही रहता है, मंदिर के बाहर नहीं फैलता?'' अदालत ने कहा कि ध्वनि प्रदूषण के स्तर को मापने के लिए एक वैज्ञानिक तरीका है, लेकिन याचिका में यह दिखाने के लिए कोई डेटा नहीं दिया गया है कि 10 मिनट की अज़ान से ध्वनि प्रदूषण होता है। इसने आगे बताया कि याचिकाकर्ता द्वारा दिया गया एकमात्र तर्क यह है कि विभिन्न समुदायों और धर्मों के लोग पड़ोस में रहते हैं जहां लाउडस्पीकर के माध्यम से अज़ान होती है और इससे स्वास्थ्य संबंधी खतरे और असुविधा होती है। अदालत का फैसला समाज में भाईचारे को मजबूती प्रदान करने में मदद करेगा। इस आदेश के बाद बहुत राज्यों में भी इस मुददे पर जो राजनीति हो रही है उस पर भी लगाम लगेगी। हालांकि अन्य अदालतों ने इस मामले में अन्य फैसले भी दिए हैं। पर इस फैसले के बाद यह भी विश्वास किया जा सकता है कि मंदिर या मस्जिद इसकी आढ़ में मनमानी नही करेंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पहाड़ पर भारी न पड़ जाए विकास का मॉडल

पंकज चतुर्वेदी

उत्तराखंड में यमुनोत्री तक निर्माणाधीन सड़क की सिलक्यारा सुरंग में फंसे लोगों के बाहर निकलने के दिन बढ़ते जा रहे हैं। पहाड़ के साथ की गई छेड़छाड़ का ही परिणाम है कि जिस अमेरिकी मशीन 'औगर' को पराक्रमी कहा जा रहा था, लक्ष्य से 12 किलोमीटर दूर इस तरह टूटी कि उसे टुकड़े-टुकड़े कर निकालना पड़ रहा है। लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए जहां भी पहाड़ को छेदा जाता है, वहां मिल रही असफलता बताती है कि इंसान के विज्ञान-तकनीक ज्ञान की तुलना में दुनिया का सबसे युवा पहाड़ हिमालय बहुत विशाल है।

पहाड़ केवल पत्थर के ढेर नहीं होते, वे इलाके के जंगल, जल और वायु की दशा और दिशा तय करने के साध्य होते हैं। यदि धरती पर जीवन के लिए वृक्ष अनिवार्य हैं तो वृक्ष के लिए पहाड़ का अस्तित्व बेहद जरूरी है। ग्लोबल वार्मिंग व जलवायु परिवर्तन की विश्वव्यापी समस्या का जन्म भी पहाड़ों से जंगल उजाड़ दिए जाने से ही हुआ है। पर्वतीय राज्यों में बेहिसाब पर्यटन ने प्रकृति का हिसाब गड़बड़ाया तो गांव-कस्बों में विकास के नाम पर आए वाहनों के लिए चौड़ी सड़कों के निर्माण के लिए जमीन जुटाने-कंक्रीट उगाहने के लिए पहाड़ निशाना बने। यदि नीति आयोग के विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा तीन साल पहले तैयार जल संरक्षण पर रिपोर्ट पर भरोसा करें तो हिमालय से निकलने वाली 60 फीसदी जल धाराओं में दिनों-दिन पानी की मात्रा कम हो रही है। ग्लोबल वार्मिंग, कार्बन उत्सर्जन, जलवायु परिवर्तन और इसके दुष्परिणाम धरती के शीतलीकरण का काम कर रहे ग्लेशियरों पर आ रहे संकट व उसके कारण समूची धरती के अस्तित्व के खतरे की बातें अब हकीकत बनती नजर आ रही हैं। ऐसे दावों के दूसरे पहलू भी सामने आने लगे कि जल्द ही हिमालय के हिमनद पिघल जाएंगे, जिससे नदियों में पानी बढ़ेगा। एक तरफ कई नगर-गांव जलमग्न हो जाएंगे, वहीं धरती के बढ़ते तापमान को थामने वाली छतरी के नष्ट होने से सूखा, बाढ़ व गर्मी पड़ेगी।

तीन साल पहले 31 विकास परियोजनाओं के लिए 185 एकड़ घने जंगलों को उजाड़ने की अनुमति देने का काम जरूर होता रहा। सात अप्रैल, 2020 को राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड की स्थाई समिति की बैठक में सारी आपत्तियों को दरकिनार करते हुए घने

जंगलों को उजाड़ने की अनुमति दी गई। समिति ने पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील 2933 एकड़ के भू-उपयोग परिवर्तन के साथ-साथ 10 किलोमीटर संरक्षित क्षेत्र की जमीन को भी कथित विकास के लिए सौंपने पर सहमति दी। इस श्रेणी में प्रमुख प्रस्ताव उत्तराखंड के देहरादून और टिहरी गढ़वाल जिलों में लखवार बहुउद्देशीय परियोजना (300 मेगावाट) का निर्माण और चालू है। परियोजना बिनोग वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से 3.10 किमी दूर स्थित है और अभयारण्य के डिजॉल्ट ईएसजेड में गुजरती है। परियोजना के लिए 768.155 हेक्टेयर वन भूमि और 105.422 हेक्टेयर निजी भूमि की आवश्यकता होगी। परियोजनाओं को दी गई पर्यावरणीय मंजूरी को पिछले साल नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने निर्लंबित कर दिया था। इसके बावजूद परियोजना पर राष्ट्रीय बोर्ड द्वारा विचार किया जा रहा हे। हिमालय के पर्यावरणीय छेड़छाड़ से उपजी सन् 2013 की केदारनाथ त्रासदी को भुलाकर उसकी हरियाली उजाड़ने की कई परियोजनाएं उत्तराखंड राज्य के भविष्य के लिए खतरा बनी हुई हैं। गत नवंबर, 2019 में राज्य की कैबिनेट से स्वीकृत नियमों के मुताबिक कम से कम दस हेक्टेयर में फैली हरियाली को ही जंगल कहा जाएगा। यही नहीं, वहां न्यूनतम पेड़ों की सघनता घनत्व 60 प्रतिशत से कम न हो और जिसमें 75 प्रतिशत स्थानीय वृक्ष प्रजातियां उगी हों। जाहिर है कि जंगल की परिभाषा में बदलाव का असल उद्देश्य ऐसे कई इलाकों को जंगल की श्रेणी से हटाना है जो कि कथित विकास के राह में रोड़े बने हुए हैं। उत्तराखंड में बन रही पक्की सड़कों के लिए 356 किलोमीटर के वन क्षेत्र में कथित रूप से 25 हजार पेड़ काट डाले गए। यही नहीं, सड़कों का संजाल पर्यावरणीय लिहाज से संवेदनशील उत्तरकाशी की भागीरथी घाटी से भी गुजर रहा है।

उत्तराखंड के चार प्रमुख धामों को जोड़ने वाली सड़क परियोजना में 15 बड़े पुल, 101 छोटे पुल, 3596 पुलिया, 12 बाईपास सड़कें बनाने का काम चल रहा है। ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक रेलमार्ग परियोजना भी स्वीकृत हो चुकी है। जिससे जंगल-वन्य जीव प्रभावित होंगे। सनद रहे हिमालय पहाड़ न केवल हर साल बढ़ रहा है, बल्कि इसमें भूगर्भीय उठापटक चलती रही हैं। यहां पेड़ भूमि को बांध कर रखने में बड़ी भूमिका निभाते हैं, जो कि कटाव व पहाड़ ढहने से रोकने का एकमात्र उपाय है।

सदियों के साथी के दिन भी बहुरेंगे!

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों कोझीकोड से एक कुत्ते की खबर आई थी। यह कुत्ता वहां के एक अस्पताल के शवगृह के सामने लगातार चार महीने से बैठा है। भला हो मीडिया का कि यह कुत्ता सुर्खियां बना। इसे भारत का हाचिको कहा गया। हाचिको वह कुत्ता था जिसका मालिक जापान के शिबुया स्टेशन से रेलगाड़ी में बैठकर युद्ध के लिए चला गया। युद्ध में उसकी मृत्यु हो गई। लेकिन हाचिको वहीं बैठा रहा। नौ साल तक वह इस बात का इंतजार करता रहा कि कभी तो उसका मालिक लौटेगा। लेकिन मालिक कभी नहीं लौटा। लौटता भी कैसे। वह तो मर चुका था। हाचिको आखिर इस बात को जानता भी कैसे। वह रात-दिन रेलगाड़ियों को इसी आशा से देखता रहा कि किसी से तो उसका मालिक उतरेगा। और अंत में नौ साल बाद हाचिको के प्राण भी स्टेशन पर इंतजार करते-करते निकल गए। इस कुत्ते को वहां के लोगों ने बहुत प्यार दिया। उसकी मूर्ति भी शिबुया रेलवे स्टेशन पर लगी हुई हैं। लोग आकर इसकी मूर्ति पर फूल चढ़ाते हैं। फोटो खिंचवाते हैं और बहुत-सी यादें अपने साथ ले जाते हैं। इस पर डाग्स स्टोरी नाम से फिल्म भी बनी है जिसमें मशहूर अभिनेता रिचर्ड गेरे और जान एलन ने काम किया था। इस फिल्म को बहुत पसंद किया गया था। यह एकदम से आपके मन के तारों को झनझना देती है।

कुन्नूर, कोझिकोड, केरल में चार महीने से अपने मालिक के इंतजार में बैठे इस देसी नस्ल के कुत्ते को देखकर हाचिको की ही याद आती है। इसके बारे में आसपास के लोग कहते हैं कि शायद इसका मालिक अस्पताल में आया होगा और मृत्यु के बाद उसे शवगृह में कुछ दिन रखने के लिए ले जाया गया होगा। वहां दो दरवाजे हैं। एक अंदर जाने का दूसरा बाहर निकलने का। मालिक का शव दूसरे दरवाजे से बाहर ले जाया गया होगा, जिसके बारे में इस बेचारे को मालूम नहीं है। वह सोचता है कि कभी न कभी तो मालिक शवगृह के अंदर से लौटेगा। जब से इसके बारे में लोगों ने ध्यान दिया है, इसकी देखभाल होने लगी है।

पहले तो यह कुछ नहीं खाता था, लेकिन अब बिस्कुट आदि खाने लगा है। खाना खिलाने पर ही खाता है। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी एक महिला लगातार इसकी देखभाल करती हैं। लेकिन अपने स्थान से यह और कहीं नहीं जाता। आसपास रहने वाले कुत्तों से मिलता भी नहीं है। कभी-कभार फिजियोथैरेपी विभाग के भी चक्कर लगाता है। शायद इसने मालिक को वहां भी जाते देखा होगा। इसका क्या नाम है, कहां रहता था, कौन इसका मालिक है, किसी को पता नहीं है। अगर स्थानीय अखबारों में इसके बारे में कुछ छपे, टीवी पर खबर चले तो शायद कुछ पता चल सके। इसके मालिक का कोई रिश्तेदार इसे लेने आ सके। यों इसे चाहकर भी कुछ बताया नहीं जा सकता। आखिर कुछ समझेगा भी कैसे। इस घटना को सुनकर मन भर आता है। आखिर जानवरों की भावनाओं को क्यों हम नहीं समझते। क्यों ध्यान नहीं दे पाते जबकि ये अपना जीवन भी बलिदान कर देते हैं। अपने मालिक और परिवार को बचाने की कितनी कहानियां हम सुनते-पढ़ते रहते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि यह देसी नस्ल का कुत्ता है। अपने यहां महानगरों और शहरों में देसी कुत्ते शायद ही कोई पालता है।

अक्सर लोगों के घरों में विदेशी नस्ल के कुत्ते ही देखे जाते हैं। इन कुत्तों की कीमत बहुत ज्यादा होती है। भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल बनाने के लिए इनकी देखभाल अधिक करनी होती है। जबकि देसी कुत्ते बेचारे दर-दर भटकने को मजबूर होते हैं जबकि ये भारतीय मौसमों को प्राकृतिक रूप से झेलने लायक होते हैं। इनके खान-पान पर भी अलग से कोई ध्यान नहीं देना पड़ता। जबकि ग्रामीण समाज में ये कुत्ते घरों के अभिन्न अंग रहे हैं। जानवरों की देखभाल, चोरों से बचाने वाले भी माने जाते रहे हैं। लेकिन बदले वक्त ने इन्हें कहीं का नहीं छोड़ा है। बल्कि इनके ऊपर अक्सर यह आरोप लगाता रहता है कि ये लोगों को काटते रहते हैं। इसीलिए बहुत से अभियान इन्हें खत्म करने के लिए चलाए जाते हैं। दरअसल, कोई देसी कुत्ते क्यों नहीं पालना चाहता, यह बात समझ में नहीं आती। यदि कोई बड़ा आदमी देसी कुत्ता पालता है तो वह खबर बन जाता है जैसे कि मशहूर अभिनेता स्वर्गीय ओम पुरी। उन्होंने मोती नाम से एक देसी कुत्ता पाल रखा था। कई बार इस तरह के अभियान भी चलाए जाते हैं कि विदेशी कुत्तों की जगह देसी कुत्ते ही पाले जाएं। प्रधानमंत्री भी देसी कुत्तों के महत्व को कई बार बता चुके हैं। वे चाहते हैं कि लोग इन कुत्तों को पालें। सेना और पुलिस में भी इन कुत्तों को जगह मिले।

शायद अब इन कुत्तों के दिन बदलने वाले हैं। अब पुलिस की ड्यूटी में रामपुर हाउंड, गद्दी, बखरवाल आदि नस्ल के कुत्ते भर्ती किए जाएंगे। हिमाचली और तिब्बती कुत्तों को भी जगह मिलेगी। जोखिम वाले क्षेत्र जैसे संदिग्धों को पकड़ना, नशीले पदार्थों को सूंघना, विस्फोटों का पता लगाना, गश्त करना आदि काम शामिल हैं। अभी तक विदेशी नस्ल के कुत्तों को ही इसमें शामिल किया जाता था। अभी तक केंद्रीय सशस्त्र बलों में सबसे अधिक चार हजार कुत्ते हैं। सीआरपीएफ में पंद्रह सौ और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड में सौ कुत्ते शामिल हैं। प्रधानमंत्री यह भी कह चुके हैं कि वैज्ञानिक माध्यमों से देसी नस्ल के कुत्तों को सुधारा भी जाए। अगर ऐसा हो जाए तो सचमुच बहुत अच्छा रहेगा। कायदे से तो प्रचार माध्यमों के जरिए देसी कुत्तों के पक्ष में अभियान भी चलाया जाए, उनके गुण बताए जाएं, उनकी सच्ची कहानियां सुनाई जाएं जिससे कि लोग इन कुत्तों के गुणों से परिचित हो सकें। विदेशी नस्ल के कुत्तों की जगह इन्हें पाल सकें।

साधारण सब्जी नहीं, बनाएं आलू-टमाटर का झोल

आलू एक ऐसी सब्जी है जिसे कई तरह से बनाया जा सकता है। हर सब्जी के साथ आलू को मिक्स किया जा सकता है। जितनी रेसिपीज केवल आलू से बन सकती हैं, शायद ही किसी और सब्जी से बन सकें। दाल की तरह ही ज्यादातर आलू भी हर दिन बनता है। आलू फ्राई, ग्रेवी आलू, आलू पराठा समेत कई डिश आलू के बिना अधूरे हैं। आज हम आलू की एक ऐसी रेसिपी बताएंगे जो स्वादिष्ट होने के साथ ही बनाने में आसान है। इसे रोटी पराठा या चावल किसी के साथ भी खाया जा सकता है। इस रेसिपी का नाम है आलू टमाटर का झोल। इसे साधारण आलू टमाटर की सब्जी मत समझिएगा। ये बहुत स्वादिष्ट सब्जी है। आलू टमाटर का झोल आप रूटीन खाने में तो बना ही सकते हैं, छोटे मोटे कार्यक्रम में भी ये सब्जी खाने का स्वाद बढ़ा देगी।

सामग्री

हल्के उबले हुए आलू, पनीर, प्याज, टमाटर, अदरक, हरी मिर्च, लहसुन, हल्दी, नमक, लाल मिर्च पाउडर, तेल, हरी इलायची, दालचीनी, लौंग, जीरा, धनिया पाउडर, हींग, दूध, मक्खन, पुदीना।

विधि उबले आलूओं में हल्दी, नमक, लाल मिर्च पाउडर और थोड़ा सा तेल डालकर मिक्स कर लें। फिर फ्राई करके रख दें। अब एक बर्तन में पनीर में हल्दी, नमक, लाल मिर्च और थोड़ा सा तेल डालकर रख दें। मसाला लगे पनीर को फ्राई करके रखें। अब एक पैन में तेल गर्म करें। इसमें इलायची, हरी इलायची, दालचीनी, लौंग और जीरा डालकर फ्राई कर लें। अब इसमें बारीक कटा प्याज गोल्डन ब्राउन होने तक भूनें और अदरक व हरी मिर्च डालें। फिर हल्दी, जीरा पाउडर, धनिया पाउडर, हींग और टमाटर डालें। टमाटर नरम हो जाये तो पानी डालकर धीमी आंच पर 3 से 4 मिनट तक पकाएं। अब दूध और मक्खन डालकर 3 से 4 मिनट पकाएं। फिर आलू जिसे अच्छे से कुरकुरे फ्राई किये हों और पनीर को डालकर धीमी आंच पर पका लें। धनिया या पुदीना की पत्ती से गार्निश कर के सर्व करें।

पालक की बनाएं टेस्टी डिशेज

सर्दियों में पालक खाना हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। पालक में कई पोष्क तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे स्वास्थ के लिए बहुत फायदे होते हैं। पालक हमारी आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है, साथ ही यह ब्लड शुगर मैनेज करने में, वजन कम करने में और आपकी हड्डियों को मजबूत करने में बहुत लाभदायक होता है। लेकिन, बच्चों को पालक खिलाना बड़ा ही मुश्किल काम है। पालक से बनने वाली पालक पनीर, पालक पराठा और पालक रायता ऐसी स्वादिष्ट डिशेज होती हैं जिन्हें बच्चे भी खुशी-खुशी इन्हें खाएंगे।

पालक पनीर

पालक पनीर खाने में बेहद ही स्वादिष्ट होता है और यह काफी हेल्दी भी होता है। इसे बनाना बेहद ही आसान है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले, एक बड़े बर्तन में पानी को अच्छी तरह उबाल लें। जब पानी में उबाल आ जाए तो उसमें पालक डालकर 2 मिनट के लिए या जब तक पत्तियां अच्छी तरह से फूल न जाएं तब तक छोड़ दें। अब उबले हुए पालक को मिक्सर जार में डालें और इसके साथ 2 कलियां लहसुन, 1 इंच अदरक और 3 मिर्च डालें और अच्छे से पीस लें। एक बड़ी कढ़ाई में 2 बड़े चम्मच तेल, 1 छोटा चम्मच मक्खन, 1 सूखी लाल मिर्च, 1 छोटा चम्मच जीरा और 1 तेज पत्ता गरम करें। धीमी आंच पर मसाले को खुशबूदार होने तक भून लीजिए। अब 1 प्याज, 1 चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट डालें और प्याज के सुनहरा होने तक भून लें। आंच धीमी रखते हुए इसमें द छोटी चम्मच हल्दी, छोटी चम्मच मिर्च पाउडर, छोटी चम्मच धनिया पाउडर और 1 छोटी चम्मच नमक डालिए और मसाले को भून लें। इसमें 1 टमाटर डालें और तब तक पकाएं जब तक कि टमाटर नरम और गूदेदार न हो जाए।

पालक पराठा

सर्दियों में बच्चे पाराठा खाना काफी पसंद करते हैं और इन्हें बनाने में ज्यादा समय भी नहीं लगता। पालक का पराठा बनाने के लिए सबसे पहले, पालक प्यूरी से आटा तैयार करें। इसके बाद एक मध्यम आकार की लोई लीजिए, उसे बेलिए और चपटा कीजिए। और इसे चपाती या परांठे की तरह पतले गोले में बेल लीजिए। अब गर्म तवे पर बेले हुए परांठे को रखें और एक मिनट तक पकाएं। इसके अलावा, जब बेस आंशिक रूप से पक जाए, तो पलटें और पकाएं। साथ ही तेल/घी छिड़कें और हल्का सा दबाएं। अंत में, पालक पराठे को रायता और अचार के साथ परोसें।

पालक का रायता

रायता खाना किसे नहीं पसंद होता। अपने प्लेन रायते में आप पालक को मिलाकर बेहद ही स्वदिष्ट रायता तैयार कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए हरी मिर्च और पालक को धोकर काट लीजिये। इसे एक कटोरे में अलग रख लें। मध्यम आंच पर एक पैन रखें, तेल डालें। तेल गरम होने पर इसमें जीरा डालें और तड़कने दें। फिर इसमें पालक डालकर 5 मिनट तक भून लें। उसे ठंडा हो जाने दें। एक बड़ा कटोरा लें, उसमें दही को चिकना होने तक फेंटें। स्थिरता बनाए रखने के लिए आप इसमें थोड़ा पानी मिला सकते हैं। अब दही में सारी सामग्री और भूना हुआ पालक डालकर अच्छी तरह मिला लें। धनिये की पतियों से सजाइये। आप रायते को 5-10 मिनट के लिए फ्रिज में रख सकते हैं। ठण्डा करके परोसें।

हंसना मना है

प्रेमी -प्रेमिका ने जब एक दूसरे को विवाह का वचन दे दिया, प्रेमिका- परन्तु प्रिय , में एक बात मैं पहले साफ कर दूं -मुझे खाना पकाना नहीं आता, प्रेमी- कोई बात नहीं प्रिय , मैं भी पहले ही साफ किये देता हूं , मैं कवि हूं , मेरे घर में पकाने के लिए कुछ है ही नहीं।

एक व्यक्ति ने अपने मित्र से पूछा -पत्नी द्वारा तलाक दे दिये जाने के बाद, अब आपको बहुत तकलीफ रहती होगी? मित्र ने कहा- नहीं, अब तो मैं ज्यादा सुखी हूं .. पहले मुझे दो लोगों का काम करना पड़ता था, अब एक का ही करना पड़ता हैं।

एक लड़की टेलीग्राम करने गई। उसने टेलीग्राम में केवल एक शब्द लिखा-यस काउण्टर पर बैठे क्लर्क ने पूछा-ये इतना छोटा टेलीग्राम आप किसे भेज रही हैं? लड़की-अपने बॉयफ्रेंड को, क्लर्क-इतने ही पैसों में आप कम से कम 10 शब्द और लिख सकती हैं। लड़की-ठीक है, लेकिन 10 बार यस-यस लिखने से क्या ऐसा नहीं लगेगा कि मैं कुछ ज्यादा ही बेक़रार हूं।

कहानी — कद्दू की तीर्थयात्रा

हमारे यहां तीर्थ यात्रा का बहुत ही महत्व है। पहले के समय यात्रा में जाना बहुत कठिन था। पैदल या तो बैल गाड़ी में यात्रा की जाती थी। थोड़े थोड़े अंतर पे रुकना होता था। विविध प्रकार के लोगो से मिलना होता था, समाज का दर्शन होता था। विविध बोली और विविध रीति-रीवाज से परिचय होता था। कंई कठिनाईओ से गुजरना पड़ता, कंई अनुभव भी प्राप्त होते थे। एकबार तीर्थ यात्रा पे जानेवाले लोगो का संघ संत तुकाराम जी के पास जाकर उनके साथ चलने की प्रार्थना की। तुकारामजी ने अपनी असमर्थता बताई। उन्होंने तीर्थयात्रियो को एक कड़वा कद्दू देते हुए कहा-मै तो आप लोगो के साथ आ नहीं सकता लेकिन आप इस कद्दू को साथ ले जाईए और जहां - जहां भी स्नान करे, इसे भी पवित्र जल में स्नान करा लाये। लोगो ने उनके गूढार्थ पे गौर किये बिना ही वह कद्दू ले लिया और जहां-जहां गए, स्नान किया वहां-वहां स्नान करवाया, मंदिर में जाकर दर्शन किया तो उसे भी दर्शन करवाया। ऐसे यात्रा पूरी होते सब वापस आए और उन लोगो ने वह कद्दू संतजी को दिया। तुकारामजी ने सभी यात्रिओ को प्रीतिभोज पर आमंत्रित किया। तीर्थयात्रियो को विविध पकवान परोसे गए। तीर्थ में घूमकर आये हुए कद्दू की सब्जी विशेष रूपसे बनवायी गयी थी। सभी यात्रिओ ने खाना शुरू किया और सबने कहा कि यह सब्जी कड़वी है। तुकारामजी ने आश्चर्य बताते कहा कि यह तो उसी कद्दू से बनी है, जो तीर्थ स्नान कर आया है। बेशक यह तीर्थाटन के पूर्व कड़वा था, मगर तीर्थ दर्शन तथा स्नान के बाद भी इसी में कड़वाहट है ! यह सुन सभी यात्रिओ को बोध हो गया कि 'हमने तीर्थाटन किया है लेकिन अपने मन को एवं स्वभाव को सुधारा नहीं तो तीर्थयात्रा का अधिक मूल्य नहीं है। हम भी एक कड़वे कद्दू जैसे कड़वे रहकर वापस आये है।'

7 अंतर खोजें

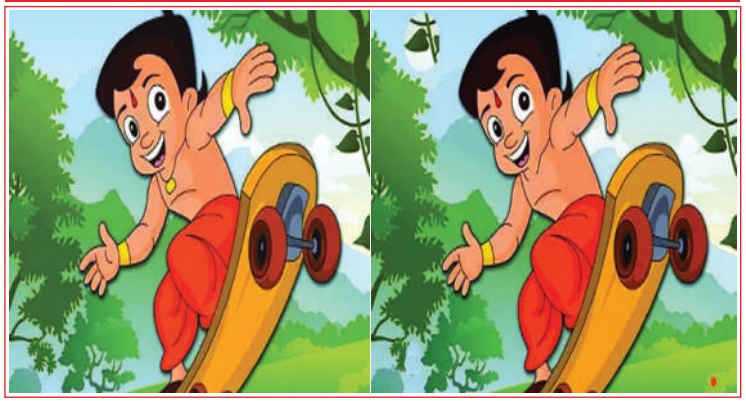

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा। अहंकार के भाव मन में न आने दें।

वृषभ धनागम होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। नौकरी में ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति के योग हैं।

मिथुन स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। प्रमाद न करें। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा।

कर्क शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। विवाद न करें। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। शत्रु से सतर्क रहें। काम के प्रति लापरवाही न करें, किसी बात पर मतभेद की संभावना है।

सिंह प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। सुखवृद्धि एवं पारिवारिक उन्नति होगी।

कन्या वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। थकान रहेगी। रचनात्मक कार्य में मन लगेगा।

तुला व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी। राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यों में सफलता की संभावना है।

वृश्चिक फालतू खर्च होगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है। कुसंगति से हानि होगी। अनसोचे कार्य होंगे। दांपत्य जीवन में मनमुटाव हो सकता है।

धनु पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। व्यापारिक गोपनीयता भंग न करें।

मकर नए अनुबंध हो सकते हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुम्भ धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। मनोरंजन के अवसर उपलब्ध होंगे।

मीन चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम न लें। झंझटों में न पड़ें। आय में कमी होगी। व्यापार में लाभ होने के योग हैं। धार्मिक कामों में रुचि बढ़ेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

जल्द ही क्रिकेट पर आधारित फिल्म बनाऊंगा : आयुष्मान

क्रिकेट के दीवाने एक्टर आयुष्मान खुराना ने खुलासा किया कि वह जल्द ही इस खेल पर एक फिल्म बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जब भी ऐसा होगा तो उनका क्रिकेट स्किल काम आएगा। आयुष्मान को विक्की डोनर, दम लगा के हईशा, आर्टिकल 15, अंधाधुन जैसी कई अन्य फिल्मों में उनके काम के लिए जाना जाता है। एक्टर ने कहा कि क्रिकेट पर उनकी नॉलेज और ऑब्जरवेशन अच्छी हैं। उन्होंने दुनिया भर के क्रिकेट फैंस के साथ बातचीत की और बताया कि वह इस खेल के उत्साही फॉलोअर हैं।

आयुष्मान ने खुलासा किया कि वह पंजाब में अंडर-19 डिस्ट्रिक्ट लेवल के क्रिकेटर थे और वह इस खेल को बहुत जुनून के साथ खेलते हैं। उन्होंने कहा, क्रिकेट पर फिल्म बनाना मेरी बकेट-लिस्ट का हिस्सा है और मुझे उम्मीद है कि यह जल्द ही पूरा हो जाएगा। मुझे लगता है कि जब भी ऐसी फिल्म बनेगी तो मेरा क्रिकेट स्किल वास्तव में काम आएगा। यह लंबे समय से अफवाह है कि आयुष्मान महान भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली की बायोपिक में उनका किरदार निभाने वाले हैं, जो निश्चित रूप से देश का ध्यान खींचेगी। फिल्मों की बात करें तो उन्हें आखिरी बार एन एक्शन हीरो में देखा गया था। उनकी अगली फिल्म लवबर्ड्स पाइपलाइन में है।

फिर दिल जीतने को तैयार हैं पंकज त्रिपाठी

19 जनवरी को रिलीज होगी फिल्म मैं अटल हूं

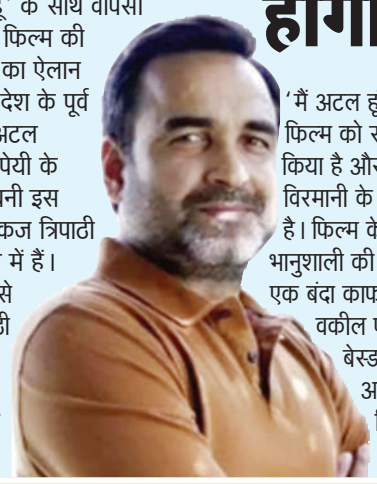

भानुशाली प्रोडेक्शन की पहली बायोपिक 'सिर्फ एक बंदा काफी है' से हिंदी सिनेमा में धूम मचाने वाले निर्माता विनोद भानुशाली अपनी अगली बायोपिक 'मैं अटल हूं' के साथ वापसी कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान हो गया है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के जीवन पर बनी इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी ने लीड रोल में हैं।

फिल्म से पंकज त्रिपाठी का पहला लुक सामने आने के बाद से ही फिल्म 'मैं अटल हूं' चर्चा में है। इस फिल्म को रवि जाधव ने निर्देशित किया है और इसे रवि ने ही ऋषि विरमानी के साथ मिलकर लिखा है। फिल्म के निर्माता विनोद भानुशाली की पिछली फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' राजस्थान के वकील पी सी सोलंकी पर बेस्ड थी, जिसमें उन्होंने आसाराम बापू को सजा दिलाई थी। फिल्म 19 जनवरी 2024 को रिलीज होगी। इस साल के फिल्मफेयर ओटीटी पुरस्कारों में सबसे ज्यादा पांच पुरस्कार जीतने वाली फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' ने हर किसी का दिल जीत लिया। अब निर्माता विनोद भानुशाली अटल बिहारी वाजपेयी की बायोपिक से फिर धूम मचाएंगे।

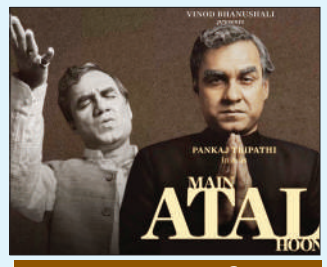

इन महापुरुषों पर भी बनेगी फिल्म

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भानुशाली स्टूडियोज के पास बायोपिक फिल्मों की एक लंबी लिस्ट है, जिसमें से शेर सिंह राणा की बायोपिक का ऐलान हो चुका है। इसके अलावा कम से कम चार और बायोपिक पर भानुशाली स्टूडियोज की क्रिएटिव टीम काम कर रही है।

'द डर्टी पिक्चर' करने से पहले विद्या बालन को मिली थी वार्निंग

विद्या बालन की एक्टिंग का कोई जवाब नहीं, एक्ट्रेस ने अपनी एक्टिंग सबको हैरान किया है। साल साल 2011 में रिलीज हुई फिल्म द डर्टी पिक्चर ने एक्ट्रेस विद्या बालन की जिंदगी को नया मोड़ दिया था। फिल्म में विद्या ने सिल्क स्मिता का किरदार निभाया था। उनके कातिलाना अंदाज और इंटीमेट सीन्स को दर्शकों ने काफी पसंद किया और इस फिल्म के लिए उन्हें नेशनल फिल्म अवॉर्ड भी मिला। लेकिन इस रोल को हां कहना एक्ट्रेस के लिए काफी मुश्किल था।

विद्या बालन हाल ही में 54वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया पहुंची थीं। फिल्म फेस्टिवल में एक्ट्रेस से उनकी फिल्मों पर बातचीत हुई थी जहां एक्ट्रेस ने अपनी फिल्म द डर्टी पिक्चर को लेकर कई बड़े खुलासे किए। विद्या खुलासा किया कि जब उन्होंने सिल्क स्मिता के रोल के लिए हां कहा तो लोगों ने उन्हें चेतावनी दी थी। विद्या बालन ने कहा कि परिणीता में उन्हें देखने के बाद लोगों ने उनके लिए मन में परफेक्ट इमेज बना ली थी। एक आदर्श महिला की नजर से एक्ट्रेस को मापा जाने लगा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब लोगों ने द डर्टी पिक्चर में विद्या बालन को देखा तो उनके होश ही उड़ गए थे। लोगों ने सीधा उनसे आकर पूछा कि आखिर उन्होंने ये क्या और क्यों कर दिया। विद्या बालन ने बताया कि उनको ये फिल्म करने से पहले लोगों ने वार्न किया था क्योंकि द डर्टी पिक्चर उनके करियर के खात्मे की वजह बन सकता था। इवेंट में विद्या बालन ने आगे बताया कि जब उन्हें सिल्क का किरदार मिला तो वे काफी खुश थीं। एक्ट्रेस ने कहा, जब मैं पहली बार निर्देशक मिलन लुथरिया से मिली तो मुझे विश्वास नहीं हुआ कि वे मुझे ये भूमिका ऑफर करेंगे। विद्या बालन ने आगे कहा, मुझे ऐसे ही किरदार की तलाश थी जो लोग सोच भी नहीं सकते थे कि मैं कर सकती हूं, लेकिन मुझे पता था कि मैं कर सकती हूं। जब यह फिल्म मुझे मिली तो मैं बहुत खुश हो गई और मैंने हां कह दिया। विद्या के अलावा कलाकारों में इमरान हाशमी, नसीरुद्दीन शाह और तुषार कपूर शामिल थे।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे खतरनाक जेल!

इस जेल में कैदी का सिर काट खेलते हैं फुटबॉल

दुनिया में ज्यादातर देशों में अपराधियों के लिए जेल बनाई गई है। इन जेलों में कैदियों को रखा जाता है। उन्हें डिसिप्लिन सिखाया जाता है। अगर आम बोलचाल में देखा जाए, तो जेल यानी अपराधियों का सुधार गृह। जब कोर्ट में जज को लगता है कि किसी ने कोई अपराध किया है, तो उसे जेल की सजा सुनाई जाती है। इस सजा के दौरान कैदी जेल में रहकर अपने किये पाप का पश्चाताप करता है।

जेल को सुधार गृह भी कहा जाता है। लेकिन आज हम आपको दुनिया के एक ऐसे जेल के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां रहने वाले कैदियों के सुधरने के लिए नहीं, बल्कि नर्क की आग भोगने के लिए भेजा जाता है। हम बात कर रहे हैं सेंट्रल अमेरिका के एल साल्वाडोर और होंडुरस स्थित जेल की। जहां जेलों के अंदर कैदियों को कोई आजादी नहीं होती, वही इस जेल के अंदर अपराधियों की ही चलती है। पुलिस इनके सामने थरथराते हैं और शहर के ज्यादातर क्राइम जेल के अंदर से ही अंजाम दिए जाते हैं।

इस जेल के अंदर कैदियों की चलती है। अगर दो गैंग के लोगों में झड़प हो जाती है तो ये आपस में जेल के अंदर ही भिड़ जाते हैं। इसमें किसी की गर्दन काटकर उससे फुटबॉल भी खेला जाता है। अगर महिला कैदियों की बात करें, तो जरा सी बहस में उन्हें आग के हवाले कर मार दिया जाता है। गैंगस्टर्स से भरे इस जेल के अंदर कई बार पुलिस अचानक रेड मार देती है। तब कैदियों के पास से खतरनाक हथियार तक बरामद किये जाते हैं। इसके अलावा जेल में कैदी प्लेस्टेशन, स्क्रीन्स, मोबाइल और कंप्यूटर की सुविधा भी एन्जॉय करते हैं।

केले का आकार हमेशा टेढ़ा ही क्यों होता है, सीधा क्यों नहीं?

केले जैसा फल काफी लोकप्रिय है और आसानी से बाजार में मिल जाता है। केले से सेहत को भी काफी फायदा होता है क्योंकि इसमें विटामिन-सी, एंटी-ऑक्सीडेंट्स आदि भी होते हैं जो इंसानों के लिए फायदेमंद होते हैं। केले से जुड़ी ऐसी बातें तो लगभग हर किसी को पता होती है। पर क्या आप ये जानते हैं कि केला हमेशा टेढ़ा ही क्यों होता है, सीधा क्यों नहीं? केले के आकार को लेकर बहुत लोगों को जानकारी नहीं है, इसलिए हम आपको इसका वैज्ञानिक कारण बताने जा रहे हैं। आज हम बात कर रहे हैं केले के आकार के बारे में, आखिर वो टेढ़ा क्यों होता है, सीधा क्यों नहीं? चलिए हम आपको इसके बारे में बताते हैं। पर उससे पहले जान लीजिए कि लोगों ने इसका क्या जवाब दिया है। अभिषेक सिंह नाम के यूजर ने कहा- केला एक अलग ही प्रक्रिया से होकर गुजरता है। इस प्रक्रिया को नेगेटिव जियोटोपाइज्म कहा जाता है। इसे आसान शब्दो में पेड़ों के सूरज की तरफ बढ़ने की प्रवृति कहते हैं। शुरुआत में तो ये फल जमीन की तरफ बढ़ता है लेकिन बाद में नेगेटिव जियोटोपाइज्म की प्रवृत्ति के कारण जमीन के बजाय सूरज की तरफ बढ़ने की कोशिश करता है। इसमें गुरुत्वाकर्षण इसके विपरीत काम करता है जिसके कारण केला टेढ़ा हो जाता है। **ये है असल वजह-** ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन और वेंट बनानाज वेबसाइट के अनुसार जब केले बढ़ रहे होते हैं, तो वो नेगेटिव जियोट्रॉपिज्म की प्रक्रिया से गुजरते हैं। जियोट्रॉपिज्म का अर्थ है ग्रैविटी के संबंध में पौधों की ग्रोथ। पत्तियां या फिर पौधों की जड़े अक्सर ग्रैविटी के विपरीत, सूरज की दिशा में बढ़ती हैं। इसे नेगेटिव जियोट्रॉपिज्म कहते हैं। जबकि ग्रैविटी की दिशा में ग्रोथ होने को पॉजिटिव जियोट्रॉपिज्म कहते हैं। केले उल्टे लगे होते हैं, यानी निचला भाग ऊपर की ओर होता है। जैसे-जैसे बड़े होते हैं, वो लंबे होने लगते हैं, पर फिर उनका निचला हिस्सा सूर्य की दिशा में ऊपर की ओर बढ़ने लगता है क्योंकि उन्हें भी सूर्य की किरणों की जरूरत होती है। केलों में ऑक्सिन नाम का एक प्लांट हॉर्मोन होता है जो ये तय करता है कि पौधा, सूर्य की किरणों की ओर कैसे प्रतिक्रिया देगा।

अनुवादक होना हो सकता है खतरनाक : राहुल

मजाकिया अंदाज में साझा किए अनुभव, चुनावी रैली के दौरान भाषण के गलत अनुवाद पर कांग्रेस सांसद ने दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोझिकोड। कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में पहुंचे थे, जहां आईयूएमएल सांसद अब्दुस्समद समदानी उनके भाषण का अनुवाद करने के लिए मौजूद थे। इस दौरान सांसद ने समदानी से मजाकिया लहजे में कहा कि अनुवादक होना एक खतरनाक काम हो सकता है। तेलंगाना विधानसभा चुनावों के लिए हर किसी ने जोर-शोर से प्रचार किया। इसी क्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी पार्टी के लिए वोट जुटाने के लिए पूरी ताकत लगा दी।

हालांकि, चुनावी अभियानों के दौरान आने वाली चुनौतियों को लेकर उन्होंने एक मजाकिया वाक्या साझा किया। केरल में एक कार्यक्रम के दौरान राहुल ने बताया कि कैसे एक रैली के दौरान उनके एक भाषण के अनुवादक को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस दौरान वायनाड के सांसद ने समदानी से मजाकिया लहजे में कहा कि उनका अनुवादक होना एक खतरनाक काम हो सकता है। उन्होंने बताया कि किस तरह तेलंगाना में एक चुनावी रैली के दौरान अनुवादक बहुत परेशानी में पड़ गया। राहुल ने कहा, मैं कुछ कह रहा था और वह (अनुवादक) कुछ और बोल रहे थे। फिर कुछ समय बाद, मैंने अपने शब्दों को गिनना शुरू कर दिया। जैसा आप जानते हैं कि वह तेलुगु में बोल रहे थे। इसलिए, मैंने सोचा कि अगर मैं हिंदी में पांच शब्द कहूंगा तो तेलुगु में पांच या सात शब्द लगेंगे। लेकिन वह 20, 25, 30 शब्द बोल रहे थे। उन्होंने कहा, जब मैं कुछ उदास भरी बात कहता तो भीड़ उत्साहित हो जाती थी। फिर मैं कुछ दिलचस्प बात कहता तो भीड़ चुप हो जाती। मुझे समझ आ गया था कि जो मैं बोल रहा हूं, वो नहीं बताया जा रहा है, लेकिन मैं गुस्सा नहीं कर सकता था। इसलिए मुझे मुस्कराते रहना पड़ा। कांग्रेस नेता ने कहा, हालांकि मुझे यकीन है कि मेरे सहयोगी समदानी को पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में मेरे भाषण का अनुवाद करते समय ऐसी कोई समस्या नहीं होगी।

पूर्व उपाध्यक्ष अजायब सिंह भट्टी कांग्रेस में लौटे

अजायब सिंह भट्टी को सिंह के वफादार के तौर पर देखा जाता है। भट्टी और उनकी बेटी के अलावा पूर्व पुलिस अधिकारी राजिंदर सिंह और दो अन्य नेता कांग्रेस में शामिल हुए। इससे पहले पूर्व मंत्री राज कुमार वेरका, बलबीर सिद्धू और गुरप्रीत सिंह कंग भाजपा छोड़कर कांग्रेस में लौट चुके हैं। पंजाब विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष अजायब सिंह भट्टी अमरिंदर सिंह राजा वडिंग और प्रताप सिंह बाजवा सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में कांग्रेस में फिर से शामिल हो गए। तीन बार विधायक रहे भट्टी सितंबर 2022 में पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए थे। भट्टी को सिंह के वफादार के तौर पर देखा जाता है। भट्टी और उनकी बेटी के अलावा पूर्व पुलिस अधिकारी राजिंदर सिंह और दो अन्य नेता कांग्रेस में शामिल हुए। इससे पहले पूर्व मंत्री राज कुमार वेरका, बलबीर सिद्धू और गुरप्रीत सिंह कंग भाजपा छोड़कर कांग्रेस में लौट चुके हैं।

गुजरात जा रही स्पेशल ट्रेन में फूड प्वाइजनिंग से बीमार हुए 90 यात्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। भारतीय रेलों में मिलने वाले खाने को लेकर शिकायतों की कई घटनाएं सामने आती रही हैं। इस बीच खबर सामने आई है कि चेन्नई से गुजरात जा रही एक स्पेशल ट्रेन में फूड प्वाइजनिंग होने के चलते 90 यात्री बीमार हो गए। खबर के मुताबिक रेलवे पैसेंजर ग्रुप ने खाना निजी तौर पर खरीदा था और इसकी आपूर्ति रेलवे या भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की ओर से नहीं की गई थी। उन्होंने कहा कि यात्रियों की ओर से खाया जाने वाला खाना पेंट्री कार में तैयार किया गया था। लगभग 80 से 90 यात्रियों ने सोलापुर और पुणे के बीच बुधवार (29 नवंबर) को एक कोच के फूड प्वाइजनिंग की शिकायत की थी।

अधिकारी ने कहा कि उन्होंने उबकाई, दस्त और सिरदर्द की शिकायत की थी. उन्होंने कहा कि पुणे स्टेशन पर डॉक्टरों की एक टीम ने सभी यात्रियों की देखभाल की और उनको उपचार प्रदान किया गया। करीब 50 मिनट बाद ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि सभी यात्रियों की हालत स्थिर है। बताया गया कि ये स्पेशल ट्रेन चेन्नई से चलकर गुजरात जा रही थी। अचानक यात्रियों की तबीयत बिगड़ने के कारण ट्रेन को 29 नवंबर को पुणे स्टेशन पर रोकना पड़ा था। अधिकारियों ने बताया कि भारत गौरव ट्रेन को गुजरात के पलिटाना में होने वाले एक धार्मिक कार्यक्रम के लिए स्पेशल तौर पर बुक किया गया था। रेल मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, एक निजी कंपनी खानपान की सेवा का संचालन कर रही है, सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

सीएम आवास के पास बदमाश ले उड़े पर्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीएम आवास के पास बाइक सवार तीन बदमाश ऑटो से उतरते ही हॉस्पिटल कर्मचारी से पर्स छीन ले गए। पीड़िता शोर मचाते हुए बदमाशों के पीछे भागी, दर्जनों पुलिसकर्मी चौराहे पर तैनात होने के बावजूद बदमाश भाग निकले। सीएम आवास के पास पर्स लूट का पता चलते ही इंस्पेक्टर गौतमपल्ली फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। पीड़िता से तहरीर लेकर पुलिस आईटीएमएस की मदद से बदमाशों का फुटेज निकालने में जुट गई है।

पीडब्ल्यूडी में कार्यरत सुरेश कुमार का गौतमपल्ली स्थित 10 कालीदास मार्ग पर सरकारी आवास में परिवारीजनों के साथ रहते हैं। उनकी बेटी शेरोन मेसी गोमतीनगर के विशालखंड में स्थित सेंट जोसफ हॉस्पिटल में बिलिंग काउंटर पर (क्लर्क) है। 56 दिन पहले ही शेरोन की नौकरी लगी है। सुबह 8 बजे ड्यूटी गई शेरोन शाम 4 बजे हॉस्पिटल से निकली और घर आने के लिए ऑटो पकड़ा। शेरोन के मुताबिक शाम करीब साढ़े चार बजे वह जैसे ही सीएम आवास चौराहे के पास ऑटो से उतरी पीछे से आए स्प्लेंडर बाइक सवार तीन बदमाशों ने झपट्टा मारकर उनके हाथ से पर्स छीन लिया।

संक्षिप्त खबरें

वार्षिक खेल दिवस मनाया

लखनऊ। सेंट पॉल कॉलेज में शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक जे.पी.शुक्ला की याद में वार्षिक खेल दिवस मनाया गया। इस अवसर मार्च पास्ट दल ने विशालता एकता और सटीकता के मंत्रमुग्ध कर देने वाला किया। व्यक्तियों का एक समुद्र, जिनमें से प्रत्येक समर्पण और अनुशासन का प्रतीक है, पूरे फ्रेम में फैला हुआ है जो ताकत और एकजुटता की एक प्रभावशाली झांकी बनाता है। समकालिक कदम, पूरी तरह से संरेखित संरचनाएं और जीवंत वर्दी एक शक्तिशाली दृश्य तमाशा बनाते हैं। दल से निकलने वाली स्पष्ट ऊर्जा उद्देश्य की साझा भावना को प्रतिबिंबित करती है जो उन्हें एक साथ बांधती है। एक साथ लहराते झंडों की पृष्ठभूमि और साफ़ आसमान की पृष्ठभूमि में, यह तस्वीर एक महत्वपूर्ण अवसर की भावना को व्यक्त करती है। यह सामूहिक प्रतिबद्धता और गौरव का एक प्रमाण है जो प्रतिभागियों को परिभाषित करता है, जो इसे एक ऐतिहासिक और प्रभावशाली घटना का कालातीत स्नैपशॉट बनाता है।

6 दिसंबर से लगेगा लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव शॉपिंग कार्निवाल

लखनऊ। श्रेषावतार वीरवर लक्ष्मण जी की नगरी लखनऊ में लक्ष्मण को समर्पित प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट एवं प्रगति इवेंट के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 6 दिसम्बर से 22 दिसम्बर तक 17 दिवसीय लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव शॉपिंग कार्निवाल -2023 का आयोजन अवध विहार योजना बी-2 खुला क्षेत्र अवध शिल्प ग्राम, लखनऊ में किया जायेगा। इस बात की जानकारी संस्था के प्रशासनिक कार्यालय बर्लिंगटन मॉल लखनऊ में सम्पन्न हुई एक बैठक में प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने दी। लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव शॉपिंग कार्निवाल 2023 में सनातनी माहौल में भगवान राम के लघु अनुज लक्ष्मण जी की विशाल आदमकद प्रतिमा स्थापित होगी। बैठक में प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एन.बी. सिंह ने बताया कि कार्निवाल-2023 में अवध के विभिन्न जिलों के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली अनेक विभूतियों को अवध रत्न सम्मान से सम्मानित किया जायेगा जिसमें महिलायें, पुरूष और बच्चे शामिल होंगे।

ईडी ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मंत्री लाल सिंह की जमीन कुर्क की

श्रीनगर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि उसने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मंत्री चौधरी लाल सिंह, उनकी पत्नी और उनके द्वारा संचालित एक शैक्षिक न्यास के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच के तहत 1.21 करोड़ रुपये की जमीन कुर्क की है। एक बयान में इसकी जानकारी दी गयी है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि यह जमीन आरबी एजुकेशनल ट्रस्ट (आरबीईटी) की है और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत इसे कुर्क करने के लिए एक अनंतिम आदेश जारी किया गया है। ईडी ने कहा कि यह जमीन 'पीएमएलए के अनुसूचित अपराध से संबंधित आपराधिक गतिविधि से उत्पन्न अपराध की आय' थी। पूर्व सांसद को संघीय जांच एजेंसी ने सात नवंबर को जम्मू में गिरफ्तार किया था। वह डोगरा स्वाभिमान संगठन पार्टी के अध्यक्ष भी हैं।

रोहन-अश्विनी की जोड़ी ने लगाए विजयी स्मैश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इस युगल ने ताइवान के ह्वान-यी वू और चू युन की जोड़ी को 21-14, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में जगह पक्की की। इस बीच वेंकट गौरव प्रसाद और जूही देवांगन की जोड़ी मिश्रित युगल क्वालीफायर में ताइवान के चिएन-वेई चियांग और मेंग चेन वू से हार गयी।

अनुभवी अश्विनी पोनप्पा और उनके जोड़ीदार रोहन कपूर ने यहां सैयद मोदी इंडिया अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के शुरुआती दिन मिश्रित युगल में दूसरे दौर में प्रवेश किया। भारतीय जोड़ी ने पेंग सून चान और यी सी चीह की मलेशिया की जोड़ी की चुनौती को सीधे गेमों में 21-12, 21-18 से खत्म किया। बी सुमित कुमार रेड्डी और सिक्की रेड्डी की मिश्रित जोड़ी ने भी सफलता का स्वाद चखा। इस युगल ने ताइवान के ह्वान-यी वू और चू युन की जोड़ी को 21-14, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में जगह पक्की की। इस बीच वेंकट गौरव प्रसाद और जूही देवांगन की जोड़ी मिश्रित युगल क्वालीफायर में ताइवान के चिएन-वेई चियांग और मेंग चेन वू से हार गयी। पुरुष एकल वर्ग के क्वालीफायर में चिराग सेन ने 21-7, 12-21, 21-17 से रवि की कड़ी चुनौती को समाप्त कर मुख्य दौर में प्रवेश किया। सेन मुख्य दौर मे ध्रुव रावत के साथ जोड़ी बनाकर पुरुष युगल में विमलराज अन्नादुराई और नवीन प्रशांत ईश्वरमूर्ति को22-24, 21-13, 21-17 से हराकर दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रहे।

सपा ने योगी सरकार पर किया जोरदार हमला

यूपी विधानमंडल सत्र का तीसरा दिन, अनुपूरक बजट को लेकर चर्चा, सत्ता पक्ष व विपक्ष में तीखी बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन अनुपूरक बजट पर चर्चा शुरू हो गई है। वृहस्पतिवार को भी सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच जमकर बहस हुई। सपा व कांग्रेस ने बीजेपी सरकार पर किसान, नवजवान, कानून व्यवस्था को लेकर खूब हंगामा किया। उधर पूर्व सीएम अखिलेश ने अनुपूरक बजट के औचित्य पर सवाल उठाया तो पुरानी पेंशन की बहाली पर भी बीजेपी सरकार को घेरा।

सपा ने कहा कि सरकार आम आदमी से जुड़े मुद्दों की अनेदखी कर रही है। उसने कहा कि योगी सरकार बस आंकड़ें बाजी कर रही है जो सत्यता से बहुत दूर है। इससे पहले कल योगी सरकार ने 28 हजार 760 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पेश कर दिया था। योगी सरकार ने अनुपूरक बजट में सड़क, बिजली और किसानों के साथ-साथ प्रदेश भर में राममय माहौल बनाने के लिए खजाना खोल दिया है। कुल 28760.67 करोड़ रुपये के इस बजट का करीब तीन चौथाई हिस्सा इन्हीं चार सेक्टरों पर खर्च होगा। लगभग 10 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान ऊर्जा क्षेत्र के लिए किया गया है। इसमें किसानों को निजी नलकूपों से मुफ्त सिंचाई के लिए 900 करोड़ शामिल है। 4250 करोड़ रुपये से बदहाल सड़कों की सूरत बदली जाएगी। अयोध्या में बन रहे राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले पूरे प्रदेश का माहौल राममय बनाने की तैयारी है।

विधानसभा सत्र के तीसरे दिन की झलकियां

फोटो: सुमित कुमार

मंदिर पर रसूखदारों का कब्जा, पीड़ितों ने की सीएम से शिकायत

» अयोध्या के मीरापुर डेराबीबी का है मामला, गृहमंत्रालय के ज्वाइंट सेक्रेटरी पर लगा है आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या के एक परिवार ने रसूखदारों द्वारा मंदिर कब्जाने की शिकायत सीएम योगी ने की है। पीड़ित परिवार ने जिन लोगों पर आरोप लगाया वह केंद्रीय गृहमंत्रालय में ज्वांइट सेक्रेटरी के पद पर कार्यरत है। दरअसल, अयोध्या निवासी जनक नंदन मिश्र, राजनंदन मिश्र, वृजनंदन मिश्र ने आरोप लगाया है कि केंद्रीय गृहमंत्रालय के ज्वांइट सेक्रेटरी अनंत किशोर शरण व उनके भाई राकेश किशोर ने अपने सहयोगियों की मदद से आयोध्या के मीरापुर डेराबीबी स्थित पटना मंदिर पर कब्जा करवा लिया है। इसमें पुलिस प्रशासन ने भी दबंगों का साथ दिया है।

पीड़ितों ने बताया कि उनके पिता स्व. विश्वनाथ मिश्र जिनकी मृत्यु 2005 में हुई थी वह ही इस मंदिर में पूजा अचर्ना करवाते थे वह इसके आजीवन साहकार रहे। उनकी मृत्यु के बाद वे सभी पूजापाठ करवाते हैं। उन्होंने बताया कि उनके पिता का नाम इस मंदिर के 1998 से अयोध्या नगरपालिका में कर निर्धारण सूची अंकित है। उन्होंने बताया कि मंदिर के स्वामित्व को लेकर आंनद व राकेश किशोर पुत्र स्व धर्मेन्द्र किशोर के खिलाफ इस सिलसिले में एक मुकदमा सिविल जज सीनियर डिवीजन फैजाबाद के न्यायालय में चल रहा है। पीड़ितों ने बताया कि सीएम समेत सभी बड़े अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है।

अचानक हुई बारिश से गिरा तापमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हुआ चक्रवाती तूफान का असर यूपी में भी हुआ। वृहस्पतिवार को भोर में बहुत तेज बारिश हुई। इस बारिश के बाद तेजी से तापमान में भी गिरावट हो गई। इसी के साथ प्रदेश में ठंड में भी बढ़त हो गई है।

प्रदेश में बढ़ी ठंड

उधर एक दिसंबर तक दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान मिचांग में बदल जाने की संभावना है। मिचांग तूफान की वजह से कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। इससे पहले बुधवार को तमिलनाडु के कई हिस्सों में तेज बारिश हुई थी जिसकी वजह से चेन्नई के अलावा कई जिलों में सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। तमिलनाडु में लगातार हो रही तेज बारिश की वजह से कई जिलों में लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है।

तमिलनाडु सरकार ने चेन्नई में आज (गुरुवार) को सभी बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं।

लगातार बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलभराव की समस्या बढ़ चुकी है। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और दक्षिणी अंडमान सागर के ऊपर लो-प्रेशर एरिया बन रहा है, जिसकी वजह से चक्रवाती तूफान आने की आशंका जताई जा रही है। मिचांग तूफान की वजह से कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

फोटो: 4पीएम

प्रदर्शन रसोई गैस के बढ़े दाम को 450 रुपए करने की मांग को लेकर बेगम हजरत महल पार्क से स्वास्थ्य भवन तक पैदल मार्च कर विरोध प्रदर्शन करते कांग्रेसी।

संक्षिप्त खबरें

जाति और मजहब के नाम पर देश को बांटने वाले विकास के विरोधी : योगी

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नये भारत का निर्माण हो रहा है। एक ऐसा भारत जो कि गुलामी की मानसिकता से बाहर निकल रहा है और अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करता है। उन्होंने कहा कि समाज को जाति, पंथ, मजहब और वंशवाद के नाम पर देश को बांटने वाले विकास के विरोधी होते हैं। वो विकास के एजेंडे को पीछे करना चाहते हैं। इनसे बचने की जरूरत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में विकसित भारत संकल्प यात्रा के एक कार्यक्रम को लखनऊ में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज देश पूरी दुनिया का नेतृत्व कर रहा है।

मायावती ने लोकसभा चुनावों को लेकर की चर्चा

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती लखनऊ में उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के वरिष्ठ पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों के साथ बैठक कर रही हैं। बैठक में वह आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर रणनीति पर चर्चा की।इस बैठक में छह दिसंबर को बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर होने वाले आयोजनों को लेकर भी चर्चा होगी।

आप सरकार को असहज करना चाहता है केंद्र : सिब्बल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार को छह महीने का सेवा विस्तार दिए जाने के एक दिन बाद वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र का यह फैसला लोकसभा चुनाव 2024 से भी आगे बढ़ गया है, केंद्र सरकार दिल्ली में अधिकारियों की नियुक्ति केजरीवाल सरकार को असहज करने के लिए करना चाहती है। कपिल सिब्बल ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा है कि दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार को सुप्रीम कोर्ट ने छह महीने का सेवा विस्तार दिया। यह हमें 2024 के लोकसभा चुनावों से आगे ले जाता है, इससे आगे कपिल सिब्बल ने लिखा है कि केंद्र बस यही चाहता था। दिल्ली सरकार को आने वाले दिनों में असहज करने के लिए अधिकारियों की नियुक्ति वो खुद करे।

फोटो: 4पीएम

धरना बसपा कार्यालय के बाहर 69 हजार आरक्षण वाले शिक्षक अभ्यर्थियों ने किया प्रदर्शन।

आज आएगी श्रमिकों की रिपोर्ट जल्द ही भेजे जाएंगे अपने घर

» टनल हादसा मामला : मजदूरों का स्वास्थ्य सामान्य है : डॉक्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ऋषिकेश। उत्तराखंड में ढही सिलक्यारा टनल से बचाए गए 41 लोगों का एम्स, ऋषिकेश में स्वास्थ्य चेकअप किया जा रहा है। संभवत: उन्हें आज घर वापस भेजा जा सकता है। अस्पताल ने कहा कि सभी मजदूरों की हालत सामान्य है और उनकी अभी प्रारंभिक जांच की गई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सभी श्रमिकों को सकुशल सुरंग से निकालकर राज्य सरकार ने अपना वचन निभाया है। एम्स ऋषिकेश में परीक्षण के उपरांत उन्हें शीघ्र ही घर भेज दिया जाएगा। एम्स-ऋषिकेश की कार्यकारी निदेशक और सीईओ प्रोफेसर मीनू सिंह ने कहा, वे बिल्कुल सामान्य हैं, मैं उन्हें मरीज भी नहीं कहूंगी, वे बिल्कुल सामान्य महसूस कर रहे हैं, वे बहुत सामान्य व्यवहार कर रहे हैं। सिलक्यारा सुरंग में जीवन के लिए संघर्ष करने वाले 41 मजदूरों को कथावाचक मोरारी बापू ने आर्थिक सहायता स्वरूप छह लाख 15 हजार रुपये दिए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।